Ganga Maa Aarti

ॐजय गंगे माता, श्री जय गंगे
माता
जो नर तुमको ध्यान, मनवंचित
फल पाता
ॐजय गंगे माता मैय जय गंगे
माता
चंद्रा सी ज्योत तुम्हारी, जल निर्मल
आता
शरण पडे जो तेरी, सो नर तर
जाता
ॐजय गंगे माता मैय जय गंगे
माता
पुत्रा सागर के तारे, सब जग को
ग्याता
कृपा द्रष्टि तुमहारी, त्रिभुवन सुख
दाता
ॐजय गंगे माता मैय जय गंगे
माता
एक बर जो परानी, शरण तेरी
आता
यम की तस मितकार, परमगति
पाता
ॐजय गंगे माता मैय जय गंगे
माता
आरती मात तुमहारी, जो जन नित्य
गाता
सेवक वाही सहज मैं, मुक्ति को
पाता
ॐ जय गंगे माता मैय जय गंगे माता

InstaAstro